# Est

## Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | וְאַחַר | הַדְּבָרִים | הָאֵלֶּה | גִּדַּל | הַמֶּלֶךְ | אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ | אֶת־ | הָמָן | בֶּן־ | הַמְּדָתָא |
| | इन-बातों-के-बाद | बातें | ये | बढ़ाया | राजा | अहश्वेरोश-ने | को | हामान | पुत्र | हम्मदाता-का |
| | | H1697 | H0428 | H1431 | H4428 | H0325 | H0853 | H2001 | | H4099 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְנַשְּׂאֵהוּ | וַיָּשֶׂם | אֶת־ | כִּסְאוֹ | מֵעַל | כֹּל־ | הַשָּׂרִים | אֲשֶׁר | אִתּוֹ׃ |
| और-उसे-उच्चा-किया | और-रखा | को | उसकी-कुर्सी | ऊपर | सब | हाकिमों-से | जो | उसके-साथ-थे |
| H5375 | | H0853 | H3678 | | H3605 | H8269 | | H0854 |

> इन बातों के घटने के बाद महाराजा क्षयर्ष ने हामान का सम्मान किया। हामान अगागी हम्मदाता नाम के व्यक्ति का पुत्र था। महाराजा ने हामान की पदोन्नति कर दी और उसे दूसरे मुखियाओं से अधिक बड़ा, महत्वपूर्ण और आदर का पद दे दिया।

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | וְכָל־ | עַבְדֵי | הַמֶּלֶךְ | אֲשֶׁר־ | בְּשַׁעַר | הַמֶּלֶךְ | כֹּרְעִים | וּמִשְׁתַּחֲוִים | לְהָמָן | כִּי־ |
| | और-सब | सेवक | राजा-के | जो | फाटक-में-थे | राजा-के | झुकते-थे | और-प्रणाम-करते-थे | हामान-को | क्योंकि |
| | H3605 | H5650 | H4428 | | H8179 | H4428 | H3766 | H7812 | H2001 | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כֵּן | צִוָּה־ | לוֹ | הַמֶּלֶךְ | וּמָרְדֳּכַי | לֹא | יִכְרַע | וְלֹא | יִשְׁתַּחֲוֶה׃ |
| ऐसा | आज्ञा-दी-थी | उसके-विषय-में | राजा-ने | परन्तु-मर्दकै | नहीं | झुकता-था | और-न | प्रणाम-करता-था |
| | H6680 | | H4428 | H4782 | H3808 | H3766 | H3808 | H7812 |

> राजा के द्वार पर महाराजा के सभी मुखिया हामान के आगे झुक कर उसे आदर देने लगे। वे महाराजा की आज्ञा के अनुसार ही ऐसा किया करते थे। किन्तु मोर्दकै ने हामान के आगे झुकने अथवा उसे आदर देने को मना कर दिया।

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | וַיֹּאמְרוּ | עַבְדֵי | הַמֶּלֶךְ | אֲשֶׁר־ | בְּשַׁעַר | הַמֶּלֶךְ | לְמָרְדֳּכָי | מַדּוּעַ | אַתָּה | עוֹבֵר |
| | और-कहा | सेवकों-ने | राजा-के | जो | फाटक-में-थे | राजा-के | मर्दकै-से | क्यों | तू | उल्लंघन-करता-है |
| | H0559 | H5650 | H4428 | | H8179 | H4428 | H4782 | H4069 | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| אֶת | מִצְוַת | הַמֶּלֶךְ׃ | |
| को | आज्ञा | राजा-की | |
| H0853 | H4687 | H4428 | |

> इस पर राजा के द्वार के अधिकारियों ने मोर्दकै से पूछा, “तुम हामान के आगे झुकने की अब महाराजा की आज्ञा का पालन क्यों नहीं करते?”

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | וַיְהִי | באמרם] | כְּאָמְרָם) | אֵלָיו | יוֹם | יוֹם | וְיוֹם | וְלֹא | שָׁמַע | אֲלֵיהֶם |
| | और-ऐसा-हुआ | जब-वे-कहते-थे | जब-वे-कहते-थे | उससे | दिन | दिन-प्रतिदिन | और-नहीं | वह-सुनता-था | उनकी | |
| | H1961 | H0559 | H0559 | H0413 | H3117 | H3117 | H3808 | H8085 | H0413 | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּגִּידוּ | לְהָמָן | לִרְאוֹת | הַיַּעַמְדוּ | דִּבְרֵי | מָרְדֳּכַי | כִּי־ | הִגִּיד | לָהֶם | |
| तब-उन्होंने-बताया | हामान-को | देखने-के-लिए | क्या-टिकेंगी | बातें | मर्दकै-की | क्योंकि | मर्दकै-ने-बताया-था | उन्हें | |
| H5046 | H2001 | H7200 | H5975 | H1697 | H4782 | | H5046 | H1992 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| אֲשֶׁר־ | הוּא | יְהוּדִי׃ | |
| कि | वह-था | यहूदी | |
| | H1931 | H3064 | |

> राजा के वे अधिकारी प्रतिदिन मोर्दकै से ऐसा कहते रहे। किन्तु वह हामान के आगे झुकने के आदेश को मानने से इन्कार करता रहा। सो उन अधिकारियों ने हामान से इसके बारे में बता दिया। वे ये देखना चाहते थे कि हामान मोर्दकै का क्या करता है मोर्दकै ने उन अधिकारियों को बता दिया था कि वह एक यहूदी था।

5

| הָמָן | וַיִּמָּלֵא | לוֹ | וּמִשְׁתַּחֲוֶה | כֹּרֵעַ | מָרְדֳּכַי | אֵין | כִּי־ | הָמָן | וַיַּרְא |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हामान | और-भर-गया | उसे | या-प्रणाम-करता-था | झुकता-था | मर्दकै | नहीं | कि | हामान-ने | और-जब-देखा |
| H2001 | H4390 | | H7812 | H3766 | H4782 | H0369 | | H2001 | H7200 |

| חֵמָה׃ |
|---|
| क्रोध-से |
| H2534 |

हामान ने जब यह देखा कि मोर्दकै ने उसके आगे झुकने और उसे आदर देने को मना कर दिया है तो उसे बहुत क्रोध आया।

6

| מָרְדֳּכָי | עִם | אֶת־ | לוֹ | הִגִּידוּ | כִּי־ | לְבַדּוֹ | בְּמָרְדֳּכַי | יָד | לִשְׁלֹחַ | בְּעֵינָיו | וַיָּבֶז |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| H4782 | | H0853 | | H5046 | | H0905 | H4782 | H3027 | H7971 | | H0959 |

| עַם | אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ | מַלְכוּת | בְּכָל־ | אֲשֶׁר | הַיְּהוּדִים | כָּל־ | אֶת־ | לְהַשְׁמִיד | הָמָן | וַיְבַקֵּשׁ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लोगों-को | अहश्वेरोश-के | राज्य | समस्त | जो-थे | यहूदियों-को | सब | — | — | — | — |
| | H0325 | H4438 | H3605 | | H3064 | H3605 | H0853 | H8045 | H2001 | H1245 |

| מָרְדֳּכָי׃ |
|---|
| मर्दकै-के |
| H4782 |

हामान को यह पता तो चल ही चुका था कि मोर्दकै एक यहूदी है। किन्तु वह मोर्दकै की हत्या मात्र से संतुष्ट होने वाला नहीं था। हामान तो यह भी चाहता था कि वह कोई एक ऐसा रास्ता ढूंढ निकाले जिससे क्षयर्ष के समूचे राज्य के उन सभी यहूदियों को मार डाले जो मोर्दकै के लोग हैं।

7

| הִפִּיל | אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ | לַמֶּלֶךְ | עֶשְׂרֵה | שְׁתֵּים | בִּשְׁנַת | נִיסָן | חֹדֶשׁ | הוּא־ | הָרִאשׁוֹן | בַּחֹדֶשׁ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उन्होंने-डाला | अहश्वेरोश-के | राजा | और-दो | बारहवें | वर्ष-में | नीसान-का | महीना | जो-है | पहले | महीने-में |
| H5307 | H0325 | H4428 | H6240 | H8147 | H8141 | H5212 | H2320 | H1931 | H7223 | H2320 |

| לְחֹדֶשׁ | וּמֵחֹדֶשׁ | לְיוֹם | וּמִיּוֹם | הָמָן | לִפְנֵי | הַגּוֹרָל | הוּא | פּוּר |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| महीने-तक-तक-आया | और-महीने-से | दिन-निर्धारित-करने-के-लिए | दिनों-से | हामान | के-सामने | चिट्ठी | अर्थात | पूर |
| H2320 | H2320 | H3117 | H3117 | H2001 | H6440 | H1486 | H1931 | H6332 |

| ס | אֲדָר׃ | חֹדֶשׁ | הוּא־ | עָשָׂר | שְׁנֵים־ |
|---|---|---|---|---|---|
| स | अदार-का | महीना | जो-है | और-दो-महीना | बारहवाँ |
| | H0143 | H2320 | H1931 | H6240 | H8147 |

महाराजा क्षयर्ष के राज्य के बारहवें वर्ष में नीसान नाम के पहले महीनें में विशेष दिन और विशेष महीने चुनने के लिये हामान ने पासे फेंके और इस तरह अदार नाम का बारहवाँ महीना चुन लिया गया। (उन दिनों लाटरी निकालने के ये पासे, “पुर” कहलाया करते थे।)

8

| הָעַמִּים | בֵּין | וּמְפֻזָּר | מְפֹרָד | אֶחָד | עַם־ | יֶשְׁנוֹ | אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ | לַמֶּלֶךְ | הָמָן | וַיֹּאמֶר |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लोगों-के | बीच | और-फैले-हुए | बिखरे-हुए | एक | लोग | एक-है | अहश्वेरोश | राजा-से | हामान-ने | और-कहा |
| | H0996 | H6504 | H6340 | H0259 | | H3426 | H0325 | H4428 | H2001 | H0559 |

| הַמֶּלֶךְ | דָּתֵי | וְאֶת־ | עָם | מִכָּל־ | שֹׁנוֹת | וְדָתֵיהֶם | מַלְכוּתֶךָ | מְדִינוֹת | בְּכָל |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राजा-की | व्यवस्थाएँ | और | दूसरे-लोगों-से | सब-से | अलग-हैं | और-उनकी-व्यवस्थाएँ | आपके-राज्य-के | प्रान्तों-में | सब |
| H4428 | H1881 | H0853 | | H3605 | | H1881 | H4438 | H4082 | H3605 |

| לְהַנִּיחָם׃ | שֹׁוֶה | אֵין־ | וְלַמֶּלֶךְ | עֹשִׂים | אֵינָם |
|---|---|---|---|---|---|
| उन्हें-रहने-देना | उचित | नहीं-है | इसलिए-राजा-के-लिए | मानते | वे-नहीं |
| H3240 | | H0369 | H4428 | | H0369 |

फिर हामान महाराजा क्षयर्ष के पास आया और उससे बोला, “हे महाराजा क्षयर्ष तुम्हारे राज्य के हर प्रान्त में लोगों के बीच एक विशेष समूह के लोग फैले हुए हैं। ये लोग अपने आप को दूसरे लोगों से अलग रखते हैं। इन लोगों के रीतिरिवाज भी दूसरे लोगों से अलग हैं और ये लोग राजा के नियमों का पालन भी नहीं करते हैं। ऐसे लोगों को अपने राज्य में रखने की अनुमति देना महाराज के लिये अच्छा नहीं हैं।

9

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| כִּכַּר־ | אֲלָפִים | וַעֲשֶׂרֶת | לְאַבְּדָם | יִכָּתֵב | טוֹב | הַמֶּלֶךְ | עַל־ | אִם־ |
| किक्कार | हज़ार | और-दस | कि-वे-नाश-किए-जाएं | लिखा-जाए-आज्ञा | अच्छा-लगे | राजा-को | पर | यदि |
| H3603 | H0505 | H6235 | H0006 | H3789 | H2895 | H4428 | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַמֶּלֶךְ׃ | גִּנְזֵי | אֶל־ | לְהָבִיא | הַמְלָאכָה | עֹשֵׂי | יְדֵי | עַל־ | אֶשְׁקוֹל | כֶּסֶף |
| राजा-के | खज़ानों | में | लाने-के-लिए | काम | जो-करते-हैं | हाथों | में | मैं-दूँगा | चाँदी-के |
| H4428 | H1595 | H0413 | H0935 | H4399 | | H3027 | | H8254 | H3701 |

> “यदि महाराज को अच्छा लगे तो मेरे पास एक सुझाव है: उन लोगों को नष्ट कर डालने के लिये आज्ञा दी जाये। इसके लिये मैं महाराज के कोष में दस हजार चाँदी के सिक्के जमा कर दूँगा। यह धन उन लोगों को भुगतान के लिये होगा जो इस काम को करेंगे।”

10

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בֶּן־ | לְהָמָּן | וַיִּתְּנָהּ | יָדוֹ | מֵעַל | טַבַּעְתּוֹ | אֶת־ | הַמֶּלֶךְ | וַיָּסַר |
| पुत्र | हामान-को | और-उसे-दी | अपने-हाथ | से | अपनी-मुद्रिका-की-अंगूठी | को | राजा-ने | तब-उतारी |
| | H2001 | H5414 | H3027 | | H2885 | H0853 | H4428 | H5493 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| הַיְּהוּדִים׃ | צֹרֵר | הָאֲגָגִי | הַמְּדָתָא |
| यहूदियों-के | शत्रु | अगागी | हम्मदाता-के |
| H3064 | | H0091 | H4099 |

> इस प्रकार महाराजा ने राजकीय अंगूठी अपनी अंगुली से निकाली और उसे हामान को सौंप दिया। हामान अगागी हम्मदाता का पुत्र था। वह यहूदियों का शत्रु था।

11

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בְּעֵינֶיךָ׃ | כַּטּוֹב | בּוֹ | לַעֲשׂוֹת | וְהָעָם | לָךְ | נָתוּן | הַכֶּסֶף | לְהָמָן | הַמֶּלֶךְ | וַיֹּאמֶר |
| तुझे | जैसा-अच्छा-लगे | उनके-साथ | करने-के-लिए | — | — | — | — | — | — | — |
| | | | | | | H5414 | H3701 | H2001 | H4428 | H0559 |

> इसके बाद महाराजा ने हामान से कहा, “यह धन अपने पास रखो और उन लोगों के साथ जो चाहते हो, करो।”

12

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּכָּתֵב | בּוֹ | יוֹם | עָשָׂר | בִּשְׁלוֹשָׁה | הָרִאשׁוֹן | בַּחֹדֶשׁ | הַמֶּלֶךְ | סְפָרֵי | וַיִּקָּרְאוּ |
| और-आज्ञा-लिखी-गई | उसमें | दिन-को | और-दस | तेरहवें | पहले | महीने-के | राजा-के | लेखक | और-बुलाए-गए |
| H3789 | | H3117 | H6240 | H7969 | H7223 | H2320 | H4428 | | H7121 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְאַשֶּׁר | הַפַּחוֹת | וְאֶל־ | הַמֶּלֶךְ | אֲחַשְׁדַּרְפְּנֵי־ | אֶל | הָמָן | צִוָּה | אֲשֶׁר־ | כְּכָל־ |
| जो | राज्यपालों | और-को | राजा-के | क्षत्रपों | को | हामान-ने | आज्ञा-दी-थी | जो | सब-के-अनुसार |
| | H6346 | H0413 | H4428 | H0323 | H0413 | H2001 | H6680 | | H3605 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וּמְדִינָה | מְדִינָה | וָעָם | עַם | שָׂרֵי | וְאֶל־ | וּמְדִינָה | מְדִינָה | עַל־ |
| और-प्रत्येक-प्रान्त-को | प्रत्येक | और-सब-लोगों-के | के | हाकिमों | और-को | और-प्रत्येक-प्रान्त-के | प्रत्येक-प्रान्त | पर-थे |
| H4082 | H4082 | | | H8269 | H0413 | H4082 | H4082 | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| נִכְתָּב | אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ | הַמֶּלֶךְ | בְּשֵׁם | כִּלְשׁוֹנוֹ | וָעָם | וְעַם | כִּכְתָבָהּ |
| लिखी-गई | अहश्वेरोश-के | राजा | नाम-से | उनकी-भाषा-में | प्रत्येक-लोगों-को | और | उसकी-लिपि-के-अनुसार |
| H3789 | H0325 | H4428 | H8034 | H3956 | | | H3791 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| הַמֶּלֶךְ׃ | בְּטַבַּעַת | וְנֶחְתָּם | |
| राजा-की | मुद्रिका-की-अंगूठी-से | और-मुहर-लगी | |
| H4428 | H2885 | H2856 | |

> फिर उस पहले महीने के तेरहवें दिन महाराजा के सचिवों को बुलाया गया। उन्होंने हामान के सभी आदेशों को हर प्रांत की लिपि और विभिन्न लोगों की भाषा में अलग—अलग लिख दिया। साथ ही उन्होंने उन आदेशों को प्रत्येक कबीले के लोगों की भाषा में भी लिख दिया। उन्होंने राजा के मुखियाओं विभिन्न प्रांतो के राज्यपालों अलग अलग कबीलों के मुखियाओं के नाम पत्र लिख दिये। ये पत्र उन्होंने स्वयं महाराजा क्षयर्ष की ओर से लिखे थे और आदेशों को स्वयं महाराजा की अपनी अंगूठी से अंकित किया गया था।

13 וְנִשְׁלוֹחַ סְפָרִים בְּיַד הָרָצִים אֶל־כָּל מְדִינוֹת הַמֶּלֶךְ לְהַשְׁמִיד לַהֲרֹג

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְנִשְׁלוֹחַ | סְפָרִים | בְּיַד | הָרָצִים | אֶל־ | כָּל | מְדִינוֹת | הַמֶּלֶךְ | לְהַשְׁמִיד | לַהֲרֹג |
| और-भेजे-गए | पत्र | द्वारा | दूतों-के | में | सब | प्रान्तों-में | राजा-के | नाश-करने-के-लिए | मारने-के-लिए |
| H7971 | | H3027 | H7323 | H0413 | H3605 | H4082 | H4428 | H8045 | H2026 |

וּלְאַבֵּד אֶת־כָּל הַיְּהוּדִים מִנַּעַר וְעַד־זָקֵן טַף וְנָשִׁים בְּיוֹם אֶחָד

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וּלְאַבֵּד | אֶת־ | כָּל־ | הַיְּהוּדִים | מִנַּעַר | וְעַד־ | זָקֵן | טַף | וְנָשִׁים | בְּיוֹם | אֶחָד |
| और-मिटाने-के-लिए | को | सब | यहूदियों-को | जवान-से | और-तक | बूढ़े | छोटे-बच्चे | और-स्त्रियाँ | दिन-में | एक |
| H0006 | H0853 | H3605 | H3064 | H5288 | H5704 | H2205 | H2945 | H0802 | H3117 | H0259 |

בִּשְׁלוֹשָׁה עָשָׂר לְחֹדֶשׁ שְׁנֵים־עָשָׂר הוּא־חֹדֶשׁ אֲדָר וּשְׁלָלָם לָבוֹז׃

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בִּשְׁלוֹשָׁה | עָשָׂר | לְחֹדֶשׁ | שְׁנֵים־ | עָשָׂר | הוּא־ | חֹדֶשׁ | אֲדָר | וּשְׁלָלָם | לָבוֹז׃ |
| तेरहवें | और-दस | को | बारहवें | और-दो-महीने | जो-है | महीना | अदार-का | और-लूटें | उनकी-संपत्ति-को |
| H7969 | H6240 | H2320 | H8147 | H6240 | H1931 | H2320 | H0143 | H7998 | H0962 |

> संदेशवाहक राजा के विभिन्न प्रांतों में उन पत्रों को ले गये। इन पत्रों में सभी यहूदियों के सम्पूर्ण विनाश, हत्या और बर्बादी के राज्यादेश थे। इसका आशा था कि युवा, वृद्ध, स्त्रियाँ और नन्हें बच्चे तक समाप्त कर दिये जायें। आज्ञा यह थी कि सभी यहूदियों को बस एक ही दिन मौत के घाट उतार दिया जाये। वह दिन था अदार नाम के बारहवें महीने की तेरहवीं तारीख़ को था और यह आदेश भी दिया गया था कि यहूदियों के पास जो कुछ भी हो, उसे ले लिया जाये।

14 פַּתְשֶׁגֶן הַכְּתָב לְהִנָּתֵן דָּת בְּכָל־מְדִינָה וּמְדִינָה נָגְלוּי

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| פַּתְשֶׁגֶן | הַכְּתָב | לְהִנָּתֵן | דָּת | בְּכָל־ | מְדִינָה | וּמְדִינָה | נָגְלוּי |
| प्रतिलिपि | दस्तावेज़-की | जारी-की-जानी-थी | व्यवस्था-के-रूप-में | प्रत्येक | प्रान्त | और-प्रान्त-में | प्रकाशित-होते-हुए |
| H3791 | | H5414 | H1881 | H3605 | H4082 | H4082 | H1540 |

לְכָל־הָעַמִּים לִהְיוֹת עֲתִדִים לַיּוֹם הַזֶּה׃

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| לְכָל־ | הָעַמִּים | לִהְיוֹת | עֲתִדִים | לַיּוֹם | הַזֶּה׃ |
| सब | लोगों-के-लिए | कि-वे-हों | तैयार | उस-दिन-के-लिए | इस |
| H3605 | | H1961 | H6264 | H3117 | H2088 |

> इन पत्रों की प्रतियाँ उस आदेश के साथ एक नियम के रूप में दी जानी थीं। हर प्रांत में इसे एक नियम बनाया जाना था। राज्य में बसी प्रत्येक जाति के लोगों में इसकी घोषणा की जानी थी, ताकि वे सभी लोग उस दिन के लिये तैयार रहें।

15 הָרָצִים יָצְאוּ דְחוּפִים בִּדְבַר הַמֶּלֶךְ וְדָתוֹ נִתְּנָה בְּשׁוּשַׁן הַבִּירָה וְהַמֶּלֶךְ

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הָרָצִים | יָצְאוּ | דְחוּפִים | בִּדְבַר | הַמֶּלֶךְ | וְדָתוֹ | נִתְּנָה | בְּשׁוּשַׁן | הַבִּירָה | וְהַמֶּלֶךְ |
| दूत | निकले | जल्दी-से | आज्ञा-से | राजा-की | और-आज्ञा | घोषित-की-गई | शूशन-में | राजधानी | तब-राजा |
| H7323 | H3318 | H1765 | H1697 | H4428 | H1881 | H5414 | H7800 | H1002 | H4428 |

וְהָמָן יָשְׁבוּ לִשְׁתּוֹת וְהָעִיר שׁוּשָׁן נָבוֹכָה׃ פ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וְהָמָן | יָשְׁבוּ | לִשְׁתּוֹת | וְהָעִיר | שׁוּשָׁן | נָבוֹכָה׃ | פ |
| और-हामान | बैठ-गए | पीने-के-लिए | परन्तु-नगर | शूशन-का | घबराहट-में-था | प |
| H2001 | H3427 | H8354 | | H7800 | H0943 | |

> महाराजा की आज्ञा से संदेश वाहक तुरन्त चल दिये। राजधानी नगरी शूशन में यह आज्ञा दे दी गयी। महाराजा और हामान तो दाखमधु पीने के लिए बैठ गये किन्तु शूशन नगर में घबराहट फैल गयी।